

राजस्व लोक अदालत "न्याय आपके द्वार" कैम्प 2015 ग्राम पंचायत खीमाखेडा
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर भीम
(नरेन्द्र कुमार जैन पीठासीन अधिकारी लोक अदालत/कैम्प कोर्ट)
कैम्प कोर्ट का स्थान :- ग्राम पंचायत खीमाखेडा

प्रकरण सं. - 109/2010 रे0वा0

निर्णय दिनांक- 26 जून, 2015

अनवान

- श्री नारायणसिंह पिता नंगासिंह रावत निवासी खीमाखेडा छापली तहसील भीम
- श्रीमति खीमी पति नंगासिंह रावत निवासी खीमाखेडा छापली तहसील भीम

वादी

बनाम

- राज्य सरकार जरिये तहसीलदार भीम।

प्रतिवादी

वाद-पत्र अन्तर्गत धारा 88, 89 आरटीए

यह कि मौजा खीमाखेडा में निम्न विवरण की आराजियात स्थित होकर पीढियो से वादीगण के खाते एवं कब्जे चली आ रही है आज भी वादीगण की फसल खडी है:-

(अ)

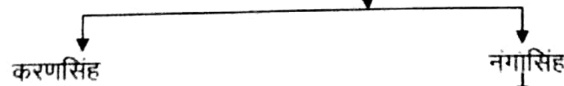
खसरा नं.	रकबा			किस्म
	बीघा	विस्वा	विस्वांसी	
8231	00	04	10	गेमुचाह
8233	00	14	00	चाही 1
8234	00	08	00	जाव 1
8235	00	10	00	जाव 1 चाही 1
8442	00	09	00	बारानी 2
8566	00	09	00	बारानी 1
8578	00	04	10	चाही 1
8579	00	08	10	चाही 1
कुल किता 08 रकबा 03 बीघा 07 विस्वा 10 विस्वांसी				

(ब)

खसरा नं.	रकबा			किस्म
	बीघा	विस्वा	विस्वांसी	
8165	00	04	10	जाव 1
8168	00	11	00	जाव 1
8232	00	08	00	चाही 2
8236	00	12	00	चाही 1
8564	00	10	00	बारानी 1
8565	00	10	00	बंझड
कुल किता 6 रकबा 02 बीघा 15 विस्वा 10 विस्वांसी				

यह कि वादीगणो का सजरा निम्नानुसार पेश है:-

डुंगरसिंह



गंगा पति लाओलाद फौत

नारायणसिंह-पुत्र

खीमी-पति

यह कि माफिक सजरा उक्त भूमि वादी संख्या 1 के दादा एवं वादी संख्या 2 के ससुर डुंगरसिंह के खाते एवं कब्जे की थी जो फौत हो गये जिनके दो पुत्र करणसिंह एवं नंगासिंह थे तथा 1/2 भूमि करणसिंह व 1/2 नंगासिंह के खाते व कब्जे में आई करणसिंह के फौत होने के बाद उसकी पति गंगा के खाते कब्जे आई जो भी 5 वर्ष पूर्व फौत हो गई निसन्तान तथा वादीगण वारिस ही काबिज चले आ रहे हैं तथा नंगासिंह फौत हो गये सन 2005 में तथा अब वादग्रस्त भूमि के वादीगण ही मालिक काबिज हो खातेदार हो गये हैं।

उक्त भूमि वादी के दादा व ससुर डुंगरसिंह की होकर वादीगण की काबिज हो हकदार है मीके पर खेती करते कराते आ रहे हैं व वही उसके खातेदार हो गये हैं खाते में 1/2 गंगा के व 1/2 वादी के पिता नंगासिंह के खाते चली आ रही है जिन्हे फौत हुए काफी अर्सा हो गया है उक्त नाम इटवा वादीगणो के खाते दर्ज किया जावे ताकि उनक हक हकूक को नुकसान न हो तथा उन्नत व विकसित करने में परेशानी न हो।

अतः वादी का वादपत्र न्यायालय में लम्बित होकर राजस्व लोक अदालत न्याय आपके द्वार 2015 कैम्प खीमाखेडा में पेश हुआ। वादी का वाद स्वीकार किया जाकर वादपत्र की धरण संख्या 1 में एवं उक्त वर्णित आराजियात के मीके पर काबिज सम्पूर्ण हिस्सेदारों को बटवारा किया जाकर हिस्से अनुसार काश्तकार घोषित किया जाता है।

तहसीलदार भीम को लिखा जाकर मीके पर हिस्सेअनुसार बटवारा तरमीम किया जाकर पालना से अवगत कराना सुनिश्चित करे।

पीठासीन
उपखण्ड अधिकारी, भीम
खीमा - राजसमन्